



श्री KVM SUPER SPECIALITY HOSPITAL

TPA LIST

- ADITYA BIRLA TPA
- MANIPAL CIGNA TPA
- MD INDIA TPA
- RELIANCE TPA
- ACKO GENERAL TPA
- STAR HEALTH TPA
- ICICI LOMBARD TPA
- PARK MEDICLAIM TPA
- ERICSON TPA
- MEDSAVETPA
- Galaxy Health Insurance Co Ltd
- Greetings from Bajaj General Insurance Limited!
- IFFCO TOKIO
- MEDI ASSIST INSURANCE TPA
- HEALTH INDIA INSURANCE TPA
- PARAMOUNT HEALTH SERVICES & INSURANCE TPA
- VOLO HEALTH INSURANCE TPA
- Navi General Insurance

आप सभी क्षेत्रवासियों को

हरिभूमि के

अवं

स्थापना

दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं



5th Mile Stone, Vill. Karontha, Jhajjar Road, Rohtak - 124001 (Haryana) ☎ 70820-03220 ☎ 70820-08053

खबर संक्षेप

कल बहादुरगढ़ आएंगे आदित्य देवीलाल

बहादुरगढ़। विधायक आदित्य देवीलाल सोमवार 21 सितंबर को बहादुरगढ़ के विभिन्न गांवों का दौरा करेंगे। हलका प्रभारी भूपेंद्र नफे सिंह राठी ने बताया कि वे 27 सितंबर को नूह (मेवात) में ताऊ देवीलाल की जयंती पर होने वाली सम्मान दिवस रैली का निर्माण देंगे। इनले पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से मंथन करेंगे।

संदिग्ध परिस्थितियों में व्यक्ति की मौत

झज्जर। शहर के सिलानी गेट क्षेत्र में रहने वाले एक प्रवासी श्रमिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान मूल रूप से यूपी के जिला अलीगढ़ निवासी करीब 42 वर्षीय गजब सिंह पुत्र जीवन के तौर पर हुई है। गजब सिंह दिहाड़ी मजदूरी का काम करता था तथा पिछले लंबे समय से यहां सिलानी गेट क्षेत्र में किराए पर रहता था। परिजनों के अनुसार शुक्रवार की रात अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे खून की उल्टी आई। परिजन उसे उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

विधायक ने किया निर्माण कार्यों का शुभारंभ

दस करोड़ रुपये में बनेगा फुटबॉल स्टेडियम, जॉगिंग व साइकिल ट्रैक

खिलाड़ियों को अभ्यास एवं खेल प्रतिभा निखारने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध होगा

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

विधायक राजेश जून ने शनिवार को बहादुरगढ़ के नागरिकों को 10 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। विधायक ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों व एचएल सिटी के निदेशक राकेश जून की मौजूदगी में सेक्टर-37 में करीब 5 एकड़ जमीन पर साढ़े 7 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले फुटबॉल स्टेडियम के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

विधायक राजेश जून ने बताया कि सेक्टर-37 में करीब 5 एकड़ में विकसित होने वाला यह फुटबॉल स्टेडियम आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा। यहां फुटबॉल मैदान के साथ खिलाड़ियों एवं दर्शकों के लिए पार्किंग तथा बैठने की समुचित व्यवस्था भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र के खिलाड़ियों को अभ्यास एवं खेल प्रतिभा



फुटबॉल स्टेडियम का शिलान्यास करते विधायक राजेश जून।

आमजन को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी

एचएल सिटी के डायरेक्टर राकेश जून ने कहा कि इन परियोजनाओं से क्षेत्र में शिक्षा, चिकित्सा और खेलों को बढ़ावा देने के साथ आमजन को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर रणबीर जून, अमित राठी, नरेश छिकारा आदि मौजूद रहे।

विकास कार्यों का हो रहा शुभारंभ और उद्घाटन

विधायक राजेश जून ने कहा कि बहादुरगढ़ में खेल और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए इस प्रकार के आधुनिक खेल मैदान और जॉगिंग ट्रैक, साइकिल ट्रैक की लंबे समय से जरूरत थी। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा करीब 10 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च कर इन सुविधाओं को विकसित किया जा रहा है, जिसका सीधा लाभ क्षेत्र की जनता और खिलाड़ियों को मिलेगा। राजेश जून ने कहा कि मुख्यमंत्री नाथब सिंह सैनी के आशीर्वाद से बहादुरगढ़ हलके में लगातार विकास कार्यों का शुभारंभ और उद्घाटन हो रहा है। विकास कार्यों का यह सिलसिला भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

निखारने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध होगा। साथ ही विधायक राजेश जून ने एचएल सिटी से नयागांव बाइपास के बीच करीब एक किलोमीटर लंबे जॉगिंग ट्रैक व साइकिल ट्रैक के निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया। उन्होंने

बताया कि इस जॉगिंग ट्रैक व साइकिल ट्रैक के निर्माण पर करीब 2 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च की जाएगी। शहरवासियों को सुबह-शाम पैदल चलने, दौड़ने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी।

माइनर में डूबे चौथे युवक का शव बरामद

बहादुरगढ़। गणपति विसर्जन के लिए दुल्हेड़ा से गुजर रही एनसीआर माइनर में गए चार युवक गत शाम डूब गए थे। इनमें से तीन युवकों को सकुशल बाहर निकालने में बचाव दल सफल रहा था। जबकि एसडीआरएफ की टीम ने देर रात सच अभियान के दौरान 25 वर्षीय विख्यात शर्मा का शव बरामद किया।

पुलिस ने पोस्टमार्टम के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया। बता दें कि जम्मू-कश्मीर का रहने वाला विख्यात शर्मा दुल्हेड़ा स्थित निकमर कॉलेज में पढ़ता था। उसके पिता बहमदत ने लापरवाही बरतने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि

विख्यात से बड़ी उनकी एक बेटी है तथा उससे छोटा एक पुत्र है। बहमदत के आरोपों पर कॉलेज प्रबंधन ने सफाई दी है कि छात्रों को ऐसी किसी गतिविधि की कोई अनुमति नहीं दी गई थी। दरअसल, शुक्रवार शाम को वह दोस्तों के साथ गणपति प्रतिमा विसर्जन के लिए एनसीआर माइनर पर पहुंचा था। इस दौरान विख्यात, आकिब, आशीष व शिवदर्शी आदि चारों युवक पानी के बहाव में डूबने लगे। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया। इस प्रयास में 3 युवकों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। लेकिन विख्यात डूब गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची बादली पुलिस ने एसडीआरएफ के साथ मिलकर सच अभियान शुरू किया। टीम ने देर रात विख्यात का शव बरामद किया। पुलिस ने शनिवार को पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया।

छोटा जाहिदपुर के स्कूल से गोहूँ चावल सहित अन्य सामान चोरी



झज्जर। रसोई में रखा चूल्हा जहां से चोरी हुआ गैस सिलेंडर व खाली बैग जहां रखे थे गोहूँ व चावल के बैग।

फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

गांव छोटा जाहिदपुर की राजकीय प्राथमिक पाठशाला से चोरी द्वारा राशन व चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। शिक्षकों के

चोरी हुए सामान का जायजा लिया तो वहां से गैस सिलेंडर, बाल्टियां, कढ़ाई, आदि बर्तनों के साथ-साथ चोरी रसोई में खाना बनाने के लिए रखा करीब पचास किलोग्राम गोहूँ व एक क्विंटल चावल के बैग भी चोरी

कर ले गए। प्राथमिक शिक्षक मुनीश कुमार के अनुसार चोरी की घटना उपरांत उन्होंने नया ताला लाकर रसोई के गेट पर लगा दिया था। शनिवार को भी जब वे स्कूल पहुंचे तो चोरों द्वारा रसोई का ताला तोड़ कर वहां रखा पत्तीला, कुकर आदि बर्तन की चोरी को अंजाम दिया। मामले के जांच अधिकारी प्रवीण ने बताया कि इस संबंध में नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

■ एक सप्ताह के अंतराल में दूसरी वारदात

■ पुलिस कर रही मामले की जांच

SUNRISE NURSING COLLEGE

KASNI, JHAJJAR

AT JHAJJAR TO KOSLI ROAD

Learning Today... Leading Tomorrow...

Knowledge, Skills, Compassion, Better Healthcare

ADMISSION OPEN

for Academic Session 2026-27

COURSES OFFERED :

- B.Sc Nursing
- Post Basic B.Sc Nursing
- ANM ➤ GNM

AC HOSTEL FACILITY AVAILABLE FOR GIRLS AND BOYS

PARAMOUNT COLLEGE OF NURSING

CHHUCHHAKWAS, JHAJJAR



COURSES OFFERED

- B.Sc Nursing
- Post Basic B.Sc Nursing
- GNM ➤ ANM ➤ B.Ed
- D Pharmacy

Education ✦ Discipline
Dedication ✦ Success

Healthy People, Stronger Society

ADMISSION OPEN

(for Academic Session 2026-27)

- Quality Education
- Experienced Faculty
- Modern Facilities
- Better Career Opportunities



SPECIAL OFFER FOR D PHARMACY

AC HOSTEL FACILITY AVAILABLE FOR GIRLS AND BOYS

For Admission Enquiry Call Now:

9467009059, 9050568317



Quality Education



Experienced Faculty



Modern Infrastructure



Excellent Career Opportunities

Sunrise Nursing College, Kasni, Jhajjar

Paramount College of Nursing, Chhuchhakwas, Jhajjar

Nursing Today, A Healthier Tomorrow

तीन मिडकैप फंड ने किया बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन

- » व्हाइटओक, एडेलवाइज़ और निप्पॉन इंडिया ने दिया खूब रिटर्न
- » निवेश से पहले जोखिम और लागत को समझना बेहद जरूरी
- » मिडकैप में ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ उतार-चढ़ाव भी अधिक
- » तीनों फंडों ने अलग-अलग अवधि में बेंचमार्क को पीछे छोड़ा
- » पिछले प्रदर्शन को भी भविष्य की गारंटी का मानें

बिजनेस डेस्क

मिडकैप न्यूउअल फंड उन कंपनियों में निवेश करते हैं जो बड़ी कंपनियों से छोटी, लेकिन स्मॉलकैप कंपनियों से अपेक्षाकृत बड़ी होती हैं। इनमें विकास की संभावनाएं मजबूत हो सकती हैं, लेकिन बाजार में गिरावट आने पर इनका उतार-चढ़ाव भी अधिक हो सकता है। हाल के आंकड़ों में मिडकैप सेगमेंट की रफ्तार कुछ धीमी हुई है। 10 सितंबर 2026 तक एक साल में निपटी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न 7.19% रहा, जबकि तीन साल में इसका सालाना औसत रिटर्न करीब 15% रहा। ऐसे माहौल में यह देखना महत्वपूर्ण हो जाता है कि कौन-से सक्रिय मिडकैप फंड अपने बेंचमार्क से आगे रहे हैं। इक्विटीमास्टर की 30 से अधिक फंडों की स्क्रीनिंग में तीन योजनाएं सामने आईं व्हाइटओक कैपिटल मिड कैप फंड, एडेलवाइज़ मिड कैप फंड और निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड। इस विश्लेषण में रिटर्न के साथ जोखिम-समायोजित प्रदर्शन को भी देखा गया। आंकड़े 10 सितंबर 2026 तक के हैं।

1. व्हाइटओक कैपिटल मिड कैप फंड

यह तीनों में अपेक्षाकृत नया फंड है। सितंबर 2022 में शुरू हुए इस फंड ने उपलब्ध अवधि में बेंचमार्क से काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। एक साल में फंड का रिटर्न 14.92% रहा, जबकि निपटी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न 7.19% था। तीन साल में फंड ने 21.73% सालाना रिटर्न दिया, जबकि बेंचमार्क का रिटर्न 14.92% रहा। इस फंड की खासियत इसका अपेक्षाकृत विविध पोर्टफोलियो है। मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज, भारती हेक्साकॉम, फेडरल बैंक, लॉरेस लैब्स और कोफोर्ज इसकी प्रमुख हिस्सेदारी में शामिल हैं। शीर्ष होल्डिंग का वजन भी बहुत ज्यादा नहीं है। तीन साल की अवधि में इसकी अस्थिरता 15.86 रही। शार्प अनुपात 0.33 और सॉर्टिनो अनुपात 0.62 रहा। ये आंकड़े बताते हैं कि उपलब्ध तीन साल की अवधि में फंड ने जोखिम के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन किया।

2. एडेलवाइज़ मिड कैप फंड

एडेलवाइज़ मिड कैप फंड का इतिहास बाकी दोनों की तुलना में लंबा है। यह फंड दिसंबर 2007 में शुरू हुआ था और इसके पास अलग-अलग बाजार परिस्थितियों का अपेक्षाकृत लंबा रिकॉर्ड है। पांच साल में इसने 18.89% और सात साल में 25.40% सालाना रिटर्न दिया। इसी अवधि में निपटी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न क्रमशः 16.52% और 22.68% रहा। तीन साल में फंड का रिटर्न 20.65% रहा, जबकि बेंचमार्क का रिटर्न 14.92% था। फंड का निवेश वित्तीय कंपनियों और बाजार से जुड़ी कुछ कंपनियों की ओर अपेक्षाकृत अधिक रहा है। इसके पोर्टफोलियो में एमसीएक्स, बीएसई, फेडरल बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक जैसी कंपनियां शामिल हैं। यही सेक्टर झुकाव इसके प्रदर्शन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। तीन साल की अवधि में इसकी अस्थिरता 16.61 रही, जो इन तीनों में सबसे अधिक थी। शार्प अनुपात 0.30 और सॉर्टिनो अनुपात 0.56 रहा। इस फंड की एक महत्वपूर्ण बात इसका लंबा ट्रैक रिकॉर्ड है। हालांकि, निवेशकों को यह भी देखना चाहिए कि मौजूदा फंड मैनेजमेंट टीम के कार्यकाल और पूरे ऐतिहासिक प्रदर्शन में कितना अंतर है।

3. निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड

निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड तीनों में सबसे पुराना है। अक्टूबर 1995 में शुरू हुआ यह फंड कई बाजार चक्रों से गुजर चुका है। इसके लंबे इतिहास में डाट-कॉम संकट, 2008 की वैश्विक वित्तीय मंदी, टेपर वेट्टम, नोटबंदी, कोविड और मिडकैप में आई बड़ी गिरावट जैसे दौर शामिल हैं। एक साल में फंड ने 8.44% तीन साल में 17.73%, पांच साल में 18.31% और सात साल में 24.11% सालाना रिटर्न दिया। संबंधित अवधि में निपटी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न क्रमशः 7.19%, 14.92%, 16.52% और 22.68% रहा। इससे पता चलता है कि उपलब्ध सभी प्रमुख अवधियों में फंड का रिटर्न बेंचमार्क से ऊपर रहा। तीन साल की अवधि में इसकी अस्थिरता 16.07 रही। शार्प अनुपात 0.27 और सॉर्टिनो अनुपात 0.51 रहा। फंड का आकार करीब 39,100 करोड़ रुपये बताया गया है, जो इन तीनों में सबसे बड़ा है। बड़ा आकार एक तरफ मजबूत निवेशकों को दर्शाता है, लेकिन मिडकैप क्षेत्र में बहुत बड़े फंड के लिए छोटी कंपनियों में बड़ी हिस्सेदारी बनाना अपेक्षाकृत कठिन हो सकता है। इसका प्रत्यक्ष योगदान व्यय अनुपात करीब 0.81% है।

सिर्फ रिटर्न देखकर निवेश न करें

मिडकैप फंड में पिछले रिटर्न को देखकर निवेश करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। इस श्रेणी में शेयरों की कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना रहती है। इसलिए निवेशकों को कम से कम पांच बातों पर ध्यान देना चाहिए—फंड का निवेश उद्देश्य, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर का रिकॉर्ड, खर्च और अपने पोर्टफोलियो में मिडकैप का उचित हिस्सा। इसके अलावा फंड के आकार को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बहुत बड़े फंड के लिए छोटी और मझोली कंपनियों में पर्याप्त हिस्सेदारी बनाना मुश्किल हो सकता है, जबकि छोटे फंड में दूसरी तरह के जोखिम हो सकते हैं।

एसआईपी निवेशकों के लिए क्या समझना जरूरी

मिडकैप फंड को आम तौर पर लंबी अवधि के निवेश के नजरिए से देखना चाहिए। बाजार में गिरावट के दौरान एसआईपी जारी रखने के लिए निवेशक में पर्याप्त जोखिम क्षमता होनी चाहिए।

उदाहरण के लिए, किसी फंड में पिछले तीन या पांच वर्षों में बेंचमार्क को पीछे छोड़ा है, इसका अर्थ यह नहीं है कि अगले तीन या पांच वर्षों में भी ऐसा ही होगा। बाजार की परिस्थितियां, कंपनियों की कमाई, मूल्यांकन और फंड की निवेश रणनीति बदल सकती हैं। इसलिए निवेश का निर्णय केवल किसने सबसे ज्यादा रिटर्न दिया के आधार पर नहीं, बल्कि अपने वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि, जोखिम क्षमता और पहले से मौजूद पोर्टफोलियो को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

फंड चुनते समय रिटर्न संग जोखिम पर ध्यान दें

व्हाइटओक कैपिटल मिड कैप फंड के आंकड़े उपलब्ध छोटी अवधि में मजबूत रहे हैं, एडेलवाइज़ मिड कैप के पास लंबा और मजबूत प्रदर्शन रिकॉर्ड है, जबकि निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप का इतिहास तीनों में सबसे लंबा है। तीनों की निवेश शैली, पोर्टफोलियो संरचना, फंड का आकार और लागत अलग-अलग हैं। इसलिए इन आंकड़ों को निवेश की गारंटी या भविष्य के रिटर्न का संकेत नहीं माना जाना चाहिए। मिडकैप फंड चुनते समय रिटर्न के साथ जोखिम, खर्च, पोर्टफोलियो और निवेशकों की अपनी परिसंपत्ति-वितरण रणनीति को भी समान महत्व देना जरूरी है।

स्मार्ट बीटा फंड : दिला सकता है बढ़िया मुनाफा, जोखिम भी ज्यादा नहीं

कम लागत में बेहतर रणनीति से करें निवेश

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

न्यूउअल फंड में निवेश करने वाले लोगों के सामने अब केवल पारंपरिक इंडेक्स फंड और सक्रिय रूप से संचालित फंड ही विकल्प नहीं हैं। स्मार्ट बीटा फंड भी निवेश की एक ऐसी रणनीति है, जो पैसिव निवेश की नियम-आधारित प्रक्रिया को अलग-अलग फैक्टर के आधार पर शेयर चुनने की रणनीति से जोड़ती है। इनका उद्देश्य बाजार के पारंपरिक इंडेक्स से अलग तरीके से निवेश करना और जोखिम के मुकाबले बेहतर रिटर्न हासिल करने की कोशिश करना होता है। हालांकि, स्मार्ट बीटा का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि फंड हर समय बाजार या सामान्य इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करेगा।

साधारण इंडेक्स फंड किसी तय इंडेक्स की संरचना को दोहराने की कोशिश करते हैं। उदाहरण के लिए, किसी इंडेक्स में जिस कंपनी का जितना वजन है, फंड भी लगभग उसी अनुपात में उसमें निवेश करता है। स्मार्ट बीटा फंड इससे अलग तरीके से काम करते हैं। इनमें शेयरों का चयन और उनका वजन पहले से तय नियमों के आधार पर किया जाता है। यानी फंड मैनेजर की व्यक्तिगत पसंद के बजाय किसी निर्धारित रणनीति या फैक्टर को प्राथमिकता दी जाती है। यही वजह है कि स्मार्ट बीटा को सक्रिय और निष्क्रिय निवेश के बीच की रणनीति के तौर पर देखा जाता है। इसमें सक्रिय फंड की तरह अलग-अलग विशेषताओं वाले शेयर चुने जाते हैं, लेकिन चयन प्रक्रिया नियम-आधारित होती है।

चार प्रमुख फैक्टर को समझें

- वैल्यू** : इस रणनीति में ऐसे शेयरों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें निर्धारित वित्तीय मानकों के आधार पर उनकी कीमत की तुलना में आकर्षक माना जाता है। इसका आधार मूल्यांकन से जुड़े आंकड़े हो सकते हैं।
- क्वालिटी** : इसमें मजबूत वित्तीय स्थिति वाली कंपनियों को प्राथमिकता देने की कोशिश होती है। लाभप्रदता, कर्ज, आय की स्थिरता और अन्य वित्तीय मानक इसके आधार हो सकते हैं।
- मोमेंटम** : इसमें हाल के समय में बेहतर प्रदर्शन करने वाले शेयरों की चाल को महत्व दिया जाता है। रणनीति का आधार यह होता है कि कुछ शेयरों में बनी सकारात्मक या नकारात्मक गति कुछ समय तक जारी रह सकती है।
- लो वोलैटिलिटी** : इसमें अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव वाले शेयरों पर ध्यान दिया जाता है। इसका उद्देश्य पोर्टफोलियो में बाजार की तुलना में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने की कोशिश करना होता है।

साधारण इंडेक्स फंड किसी तय इंडेक्स की संरचना को दोहराने की कोशिश करते हैं। उदाहरण के लिए, किसी इंडेक्स में जिस कंपनी का जितना वजन है, फंड भी लगभग उसी अनुपात में उसमें निवेश करता है। स्मार्ट बीटा फंड इससे अलग तरीके से काम करते हैं। इनमें शेयरों का चयन और उनका वजन पहले से तय नियमों के आधार पर किया जाता है। यानी फंड मैनेजर की व्यक्तिगत पसंद के बजाय किसी निर्धारित रणनीति या फैक्टर को प्राथमिकता दी जाती है। यही वजह है कि स्मार्ट बीटा को सक्रिय और निष्क्रिय निवेश के बीच की रणनीति के तौर पर देखा जाता है। इसमें सक्रिय फंड की तरह अलग-अलग विशेषताओं वाले शेयर चुने जाते हैं, लेकिन चयन प्रक्रिया नियम-आधारित होती है।

कैसे अलग होता है पोर्टफोलियो पारंपरिक बाजार पूंजीकरण आधारित इंडेक्स में बड़ी कंपनियों का वजन उनके बाजार मूल्य के आधार पर अधिक होता है। स्मार्ट बीटा रणनीति में ऐसा जरूरी नहीं है। मान लीजिए कोई फंड क्वालिटी फैक्टर पर आधारित है। तब वह बाजार पूंजीकरण की बजाय कंपनियों की वित्तीय गुणवत्ता से जुड़े मानकों के आधार पर शेयरों का चयन कर सकता है। इसी तरह मोमेंटम फंड में हाल की कीमत की चाल महत्वपूर्ण हो सकती है।



निवेशकों को क्या फायदे मिलेंगे

- नियम-आधारित निवेश : शेयरों के चयन के लिए पहले से निर्धारित नियम होते हैं। इससे निवेश प्रक्रिया अपेक्षाकृत व्यवस्थित और पारदर्शी रहती है।
- कम लागत की संभावना : सक्रिय रूप से संचालित फंड की तुलना में स्मार्ट बीटा फंड की लागत आम तौर पर कम हो सकती है, हालांकि हर फंड का वास्तविक खर्च अलग होता है।
- विशेष रणनीति का विकल्प : निवेशक वैल्यू, क्वालिटी, मोमेंटम या लो वोलैटिलिटी जैसे किसी खास फैक्टर पर आधारित रणनीति चुन सकते हैं।
- पोर्टफोलियो में विविधता : पारंपरिक इंडेक्स से अलग कंपनियों और अलग वजन वाली कंपनियों में निवेश होने के कारण यह निवेश पोर्टफोलियो में एक अलग रणनीतिक एक्सपोजर दे सकता है।

सेक्टर या शेयरों का झुकाव बढ़ेगा

फैक्टर आधारित निवेश का एक दूसरा जोखिम कंसंट्रेशन है। किसी खास नियम के कारण पोर्टफोलियो में कुछ सेक्टर या कंपनियों की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है। ऐसे में यदि उस सेक्टर या कंपनियों के समूह का प्रदर्शन कमजोर रहता है तो पूरे फंड के रिटर्न पर असर पड़ सकता है। इसलिए फंड की शीर्ष होल्डिंग, सेक्टर आवंटन और इंडेक्स की निर्माण पद्धति को समझना जरूरी है।

बार-बार रीबैलेंसिंग से बढ़ेगी लागत

कुछ स्मार्ट बीटा रणनीतियों में समय-समय पर पोर्टफोलियो को रीबैलेंस किया जाता है। यानी तय नियमों के अनुसार कुछ शेयरों का वजन बढ़ाया या घटाया जाता है और कुछ शेयरों को शामिल अथवा बाहर किया जाता है। मोमेंटम जैसी रणनीतियों में यह बदलाव अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है। ज्यादा बदलाव का मतलब लेनदेन की लागत और पोर्टफोलियो में शेयरों के आने-जाने की दर बढ़ना हो सकता है। इसका असर फंड के वास्तविक रिटर्न पर पड़ सकता है।

सैलरी आते ही पैसा खत्म हो जाता है तो बदलें कुछ आदतें

» कमाई कितनी है, इससे ज्यादा जरूरी है उसका सही बंटवारा

» पहले बचत, फिर खर्च और निवेश का नियम अपनाएं

» महीने के आखिर में होने वाली पैसों की तंगी से बच सकेंगे



माह की शुरुआत में बनाएं बजट

सैलरी आने के बाद बिना योजना के खर्च शुरू करना बजट बिगड़ाने का सबसे आसान तरीका है। इसलिए महीने की शुरुआत में ही जरूरी खर्चों की सूची बनाएं। सबसे पहले किराया, ईंधन, बिजली-पानी, राशन, स्कूल फीस, बीमा प्रीमियम और दूसरी अनिवार्य जरूरतों के लिए रकम अलग करें। इसके बाद यात्रा, खरीदारी, मनोरंजन और बाहर खाने जैसे खर्चों के लिए सीमा तय करें। बजट का मतलब हर खर्च रोकना नहीं है। इसका उद्देश्य यह तय करना है कि किस मद में कितना पैसा खर्च किया जा सकता है। यदि महीने की शुरुआत में ही 50,000 की आय में से 25,000 जरूरी खर्चों के लिए निर्धारित हैं और 10,000 रुपये बचत या निवेश के लिए अलग कर दिए गए हैं, तो बाकी 15,000 ही वैकल्पिक खर्चों के लिए उपलब्ध होंगे। इससे महीने के बीच में पैसा खत्म होने की संभावना कम होगी।

छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें

बजट अवसर किसी एक बड़े खर्च से नहीं, बल्कि कई छोटे खर्चों से बिगड़ता है। रोज की कॉफी, ऑनलाइन खाना, कैश, छोटी-मोटी खरीदारी, मनोरंजन और ऐसे डिजिटल सब्सक्रिप्शन जिनका इस्तेमाल बहुत कम होता है इनकी कुल रकम महीने के अंत में काफी बड़ी हो सकती है। इसलिए कम से कम एक महीने तक हर खर्च लिखने की आदत डालें। मोबाइल के नोट्स, डायरी या किसी खर्च ट्रैकिंग ऐप का इस्तेमाल किया जा सकता है। महीने के अंत में खर्चों को तीन हिस्सों में बांटे। जरूरी, उपयोगी और गैर-जरूरी। इसके बाद देखें कि किन खर्चों को कम किया जा सकता है। मान लीजिए रोजाना 100 का छोटा खर्च हो रहा है। महीने में यह करीब 3,000 और सालभर में करीब 36,500 हो सकता है।

इमरजेंसी फंड को प्राथमिकता

बजट और बचत के साथ आपातकालीन कोष यानी इमरजेंसी फंड भी जरूरी है। अचानक नौकरी में रुकावट, घर से जुड़ी जरूरत, वाहन की मरम्मत या कोई अप्रत्याशित खर्च आने पर अगर अलग पैसा नहीं है तो व्यक्ति को निवेश तोड़ना पड़ सकता है या क्रेडिट कार्ड और कर्ज पर निर्भर होना पड़ सकता है। इमरजेंसी फंड का उद्देश्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि जरूरत के समय पैसा उपलब्ध रखना है। इसे ऐसे विकल्प में रखना चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर रकम आसानी से निकाली जा सके।

निवेश को आदत बनाएं

सिर्फ पैसा बचाकर रखना पर्याप्त नहीं है। लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों के लिए बचत के साथ निवेश भी जरूरी हो सकता है। निवेश का विकल्प चुनते समय लक्ष्य, अवधि और जोखिम क्षमता को ध्यान में रखना चाहिए। नियमित निवेश के लिए एसआईपी एक तरीका हो सकता है। इसमें हर महीने एक तय रकम न्यूउअल फंड योजना में निवेश की जाती है। हालांकि, न्यूउअल फंड बाजार जोखिम के अधीन होते हैं और रिटर्न की गारंटी नहीं होती।



सैलरी का आसान बंटवारा करें

- **जरूरी खर्च**: घर, राशन, बिजली, ईंधनआई और दूसरी अनिवार्य जरूरतें।
- **बचत**: भविष्य की जरूरतों और बड़े खर्चों के लिए।
- **निवेश**: लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों के लिए।
- **वैकल्पिक खर्च**: घूमना, मनोरंजन, खरीदारी और दूसरी इच्छाओं पर खर्च।
- इस बंटवारे को अपनी वास्तविक आय और जिम्मेदारियों के अनुसार बदला जा सकता है।

क्रेडिट कार्ड और ईएमआई पर भी रखें नजर

अगर हर महीने सैलरी का बड़ा हिस्सा पुरानी ईएमआई या क्रेडिट कार्ड भुगतान में चला जाता है तो बचत और निवेश के लिए रकम निकालना मुश्किल होगा। इसलिए नए कर्ज लेने से पहले यह देखना जरूरी है कि उसकी मासिक किस्त बजट पर कितना दबाव डालेगी। क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल सुविधा के लिए किया जा सकता है, लेकिन ऐसा खर्च नहीं करना चाहिए जिसे समय पर चुकाना मुश्किल हो। ब्याज और लेट फीस जैसी लागत छोटे खर्च को भी महंगा बना सकती है।

सिर्फ हर महीने निवेश करना काफी नहीं, सही फंड का चयन और लंबी अवधि तक अनुशासन भी जरूरी

एसआईपी से उम्मीद के मुताबिक नहीं बन रहा पैसा, तो कुछ गलतियों से बचें

सुझाव

बिजनेस डेस्क

व्यवस्थित निवेश योजना यानी एसआईपी आज छोटे और बड़े निवेशकों के बीच लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का लोकप्रिय माध्यम बन चुकी है। हर महीने तय राशि निवेश करने की सुविधा के कारण नौकरीपेशा और सीमित आय वाले लोग भी धीरे-धीरे बड़ा कोष तैयार करने की उम्मीद रखते हैं। लेकिन कई निवेशकों की शिकायत रहती है कि वर्षों तक एसआईपी चालने के बाद भी पैसा उनकी उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ रहा। ऐसे में वे अक्सर फंड, बाजार या फंड प्रबंधक को जिम्मेदार मान लेते हैं। अक्सर में एसआईपी कोई ऐसा निवेश उत्पाद नहीं है, जो निश्चित या गारंटीशुद्ध रिटर्न देता हो। यह केवल नियमित अंतराल पर निवेश करने का तरीका है। निवेश का अंतिम परिणाम इस बात पर निर्भर करता है कि हर महीने कितनी राशि लगाई जा रही है, किस प्रकार के न्यूउअल फंड का चयन किया गया है, निवेश का लक्ष्य और अवधि क्या है, बाजार की स्थिति कैसी है और निवेशक किसने समस्त तक लगातार निवेश बनाए रखा है। यदि एसआईपी उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़े रही है तो बाहर निकलने से पहले निवेशकों को अपनी रणनीति की इन पांच महत्वपूर्ण कमियों की जांच करनी चाहिए।

लक्ष्य के मुकाबले बहुत कम

है एसआईपी की राशि

एसआईपी में सबसे आम गलती यह होती है कि निवेशक पहले यह तय करता है कि वह हर महीने कितनी रकम आसानी से बचा सकता है, लेकिन यह नहीं देखता कि उसके वित्तीय लक्ष्य को हासिल करने के लिए वास्तव में कितने लक्ष्य की जरूरत हैं। 2,000 या 5,000 रुपये की मासिक एसआईपी निवेश की अच्छी शुरुआत हो सकती है, लेकिन हर लक्ष्य के लिए यह रकम पर्याप्त नहीं होती। मसलन, यदि कोई व्यक्ति पांच साल में 50 लाख या एक करोड़ रुपये का कोष बनाना चाहता है, तो केवल 5,000 रुपये मासिक निवेश से लक्ष्य तक पहुंचना संभव नहीं होगा। इसलिए निवेश की शुरुआत करते समय सवाल केवल यह नहीं होना चाहिए कि हर महीने कितना निवेश कर सकता हूँ, बल्कि यह होना चाहिए कि अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कितना निवेश करना जरूरी है। इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। यदि कोई निवेशक पांच साल तक हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी करता है और औसतन 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मान लिया जाए, तो उसके पास करीब 4.1 लाख रुपये का कोष बन सकता है। यदि उसका लक्ष्य पांच लाख रुपये है तो वह लगभग 90 हजार रुपये पीछे रह जाएगा। इसी अनुमान रिटर्न और औसत में पांच लाख रुपये के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए करीब 6,100 रुपये मासिक निवेश की जरूरत पड़ सकती है। आय बढ़ने के साथ एसआईपी की रकम बढ़ानी भी जरूरी है।

लक्ष्य और अवधि के हिसाब

से गलत फंड चुनना

हर न्यूउअल फंड हर निवेशक और हर लक्ष्य के लिए उपयुक्त नहीं होता। फंड चुनते समय केवल ज्यादा रिटर्न देखने के बजाय निवेश की अवधि, लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता को प्राथमिकता देनी चाहिए। उदाहरण के लिए, तीन साल बाद घर खरीदने के लिए पैसा जुटा रहे निवेशक और 20 साल बाद सेवानिवृत्ति के लिए निवेश करने वाले व्यक्ति की रणनीति एक जैसी नहीं हो सकती। लंबी अवधि वाले निवेशक अपेक्षाकृत अधिक उतार-चढ़ाव सहन कर सकते हैं, जबकि कम अवधि के लक्ष्य के लिए बहुत अधिक जोखिम वाले इक्विटी फंड परेशानी पैदा कर सकते हैं। मिड और स्मॉल कैप शेयरों में ज्यादा निवेश करने वाले फंड लंबी अवधि में बेहतर वृद्धि की संभावना दे सकते हैं, लेकिन इनमें उतार-चढ़ाव भी काफी अधिक हो सकता है।

पिछले शानदार रिटर्न के पीछे भागना

कई निवेशक ऐसे न्यूउअल फंड चुन लेते हैं, जिन्होंने पिछले एक, तीन या पांच साल में सबसे ज्यादा रिटर्न दिया हो। लेकिन किसी फंड का पिछला प्रदर्शन भविष्य में उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। आज सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला फंड आने वाले वर्षों में भी शीर्ष पर रहेगा, यह जरूरी नहीं है। इसी तरह कुछ समय के लिए कमजोर प्रदर्शन करने वाला फंड भी हर स्थिति में खराब निवेश साबित नहीं होता। बाजार के अलग-अलग दौर में विभिन्न फंडों का प्रदर्शन बदल सकता है। निवेशकों को किसी फंड का चयन करते समय यह देखना चाहिए कि उसका प्रदर्शन अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में कितना स्थिर रहा है।

बाजार को समय देने के बजाय बाजार का समय पकड़ने की कोशिश

एसआईपी की सबसे बड़ी ताकत नियमित निवेश और अनुशासन है। इसके बावजूद कई निवेशक बाजार बढ़ने पर उत्साह से निवेश करते हैं, लेकिन बाजार गिरे तो एसआईपी रोक देते हैं। उन्हें लगता है कि बाजार और नीचे आने पर दोबारा निवेश शुरू करेंगे। समस्या यह है कि बाजार का सबसे निचला स्तर और सबसे ऊंचा स्तर पहले से तय करना बेहद मुश्किल है। कब बाजार गिरेगा और कब तेजी से ऊपर जाएगा, इसका सटीक अनुमान लगाना आसान नहीं है। नियमित एसआईपी में बाजार की अलग-अलग स्थितियों में निवेश जारी रहता है।

क्या करें निवेशक

यदि आपको एसआईपी उम्मीद के मुताबिक आने नहीं बढ़ रही है तो सबसे पहले घबराकर निवेश बंद करने या फंड बेचने की जरूरत नहीं है। अपनी पूरी निवेश योजना की समीक्षा करें। देखें कि एसआईपी की राशि लक्ष्य के अनुरूप है या नहीं, फंड आपके निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के हिसाब से सही है या नहीं और कहीं आप बार-बार बाजार के उतार-चढ़ाव के आधार पर निवेश के फैसले तो नहीं बदल

बहुत जल्दी बड़े रिटर्न की उम्मीद करना

एसआईपी को कुछ लोग जल्दी पैसा बनाने का साधन समझ लेते हैं, जबकि यह मुख्य रूप से लंबी अवधि में अनुशासित निवेश की रणनीति है। शुरुआती वर्षों में कोष की वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी दिखाई दे सकती है, क्योंकि निवेशित राशि अभी बहुत बड़ी नहीं होती। समय के साथ नियमित निवेश जारी रहने पर कुल निवेश राशि बढ़ती है और यदि निवेश को बढ़ने का पर्याप्त समय मिलता है तो चक्रवृद्धि का प्रभाव भी अधिक दिखाई दे सकता है। निवेश से होने वाली संभावित कमाई यदि निवेश में बनी रहती है, तो वह भी आगे रिटर्न पैदा करने में योगदान दे सकती है।

रहे। जरूरत पड़ने पर एसआईपी की रकम बढ़ाई जा सकती है, फंड चयन की समीक्षा की जा सकती है और अलग-अलग निवेश माध्यमों में राशि के बंटवारे पर भी विचार किया जा सकता है। कोई एक ऐसा जादूई फंड नहीं है, जो हर समय सबसे बेहतर रिटर्न दे। बेहतर रणनीति वही है, जो आपके लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुरूप हो और जिसे आप लंबे समय तक अनुशासन के साथ जारी रख सकें।

न्यूज़ डायरी



विद्यार्थियों को दी आग से बचाव की जानकारी

झज्जर। विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर पेस संस्थान में शनिवार को फायर सेफ्टी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। स्थानीय फायर स्टेशन के टीम सदस्यों ने विद्यार्थियों और स्टाफ को आग जैसी आपात स्थिति में बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए विभिन्न अग्निशमन उपकरणों के प्रयोग करना भी सिखाया। मॉक ड्रिल के दौरान एबीसी फायर एक्सटिंग्विशर व गैस सिलेंडर में लगी आग पर काबू पाने तथा पानी की सुरक्षित इस्तेमाल की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने मॉक ड्रिल में सक्रिय भागीदारी करते हुए अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया के व्यावहारिक गुर सीखे। संस्थान निदेशक जय विकास ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा संस्थान की प्रमुख प्राथमिकता है। परिसर में आवश्यक अग्नि सुरक्षा उपकरण उपलब्ध हैं तथा विद्यार्थियों और स्टाफ को आपात परिस्थितियों के लिए तैयार रखने के लिए समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम एवं मॉक ड्रिल आयोजित की जाती हैं। इस मौके पर चेयरमैन युद्धवीर, मैनेजिंग डायरेक्टर हरीश, सदीप, सुमित चावला, अश्वनी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो : डीसी

झज्जर। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में एस&ईआर-2026 के अंतर्गत मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन करने की प्रक्रिया जारी है। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने अधिकारियों को निदेश दिए कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो तथा अपात्र नामों को हटाने और आवश्यक संशोधन की प्रक्रिया सम्यक्बद्ध तरीके से पूरी की जाए। उन्होंने पात्र नागरिकों से अपील की कि वे प्रारंभिक मतदाता सूची में अपना और परिवार के सभी पात्र सदस्यों का नाम व विवरण जांच लें। जिन पात्र नागरिकों का नाम सूची में नहीं है, वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ फॉर्म-6 भरकर नाम दर्ज करवाएं। उन्होंने पात्र युवाओं से भी जल्द फॉर्म-6 भरने का आह्वान किया गया है। डीसी ने बताया कि मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां 30 सितंबर तक दर्ज कराई जा सकती हैं। इनका निपटारा 28 अक्टूबर तक होगा, जबकि अंतिम मतदाता सूची 6 नवंबर को प्रकाशित की जाएगी।

जिले के 250 गांवों में चला स्वच्छता अभियान

झज्जर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को सेवा मेरा योगदान थीम पर जिले के 250 गांवों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। डीसी वर्षा खांगवाल के निर्देशानुसार तथा सीईओ जिला परिषद मनीष फोगट के मार्गदर्शन में चलाए गए इस अभियान में करीब 15 हजार से अधिक ग्रामीणों ने भाग लेते हुए घर, गली-मोहल्ले और सार्वजनिक स्थानों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने की शपथ ली। ग्रामीणों को कचरा निर्धारित स्थान पर डालने और स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए जागरूक किया गया। जिला परिषद के सीईओ मनीष फोगट ने कहा कि स्वच्छ गांव स्वस्थ समाज की आधारशिला है। स्वच्छता को निरंतर बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है।



ग्रामीणों को किया नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक

झज्जर। पुलिस कमिश्नरेंट की नशामुक्ति टीम द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को नशामुक्ति टीम की मुख्य सिपाही सपना तथा एसीओ संजीव ने लोगों से संवाद करते हुए नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक नुकसान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। युवाओं से विशेष रूप से नशे से दूर रहने तथा आसपास के लोगों को भी इसके खिलाफ जागरूक करने का आह्वान किया गया। टीम सदस्यों ने आमजन से नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने की अपील भी की।

विकसित भारत विषय पर पेंटिंग व भाषण प्रतियोगिता



झज्जर। आरईडी स्कूल में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकसित भारत-2047 विषय पर पेंटिंग एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा छठी से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने पेंटिंग के माध्यम से आत्मनिर्भरता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, तकनीकी प्रगति एवं राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों को उकेरा। भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार रखे। प्राचार्य सुनील कादियान ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास, राष्ट्रप्रेम और जिम्मेदारी की भावना विकसित करती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को विकसित भारत के निर्माण में सकरात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।



विद्यार्थियों से किया नशे से दूर रहने का आह्वान

झज्जर। जीएवी पब्लिक स्कूल पाटोदा में शनिवार को नशा मुक्ति जागरूकता एवं वेलनेस अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माछरीली थाणा के उपनिरीक्षक अतर सिंह एवं आचार्य कर्मबीर ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। आचार्य कर्मबीर ने विद्यार्थियों को नशे से होने वाले सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी नुकसान बारे जागरूक करते हुए उन्हें नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहने का आह्वान किया। उपनिरीक्षक अतर सिंह ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा नियमों तथा साइबर ठगी से बचाव के उपायों की जानकारी दी। इस मौके पर जीएवी डिवाी कॉलेज के प्राचार्य रामनिवास चौहान, प्राचार्य विजय कुमार, स्कूल डेबि सुमिला यादव, देवेंद्र कुमार, रवि डागर, अनूप कुमार, सोनू जांगड़ा, संगीता, सुशबू और पूजा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

गणेश जी की प्रतिमा को हरिद्वार ले जाकर गंगा में विसर्जित किया जाएगा

स्वर्णकार व मराठा मंडल ने निकाली भगवान श्रीगणेश की शोभायात्रा



झज्जर। श्रीगणपति विर्सजन के लिए बाजार से निकलती भगवान श्रीगणेश की शोभायात्रा। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज़►►झज्जर शहर के हरिपुरा मोहल्ला में स्वर्णकार व मराठा मंडल द्वारा गणेश चतुर्थी पर स्थापित की गई भगवान श्री गणेश की प्रतिमा की शोभायात्रा निकाली गई। मंडल सदस्य सुनील वर्मा, अभिषेक वर्मा, सोनू दुल्हेड़ा, मामचंद सोनी, अनुज, मोक्ष लांबा, सरजीत, रामकरण सोनी, बल्लू सिलाना, नीरज, हिमांशु, अनुज व सतीश सोनी आदि ने बताया कि अब भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा को हरिद्वार ले जाकर रविवार को गंगा में विसर्जित किया जाएगा। शनिवार की दोपहर निकली शोभा यात्रा हरिपुरा मोहल्ला से शुरू होकर बीकानेर चौक तक पहुंची। आयोजकों ने बताया कि इसी उपलक्ष्य में शुक्रवार को भंडारे का आयोजन भी किया गया था जिसमें सैंकडों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया था।

गणेशोत्सव में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

बहादुरगढ़। पुरानी सब्जी मंडी में बालक हितोषी सेवा समिति की ओर से मनाए जा रहे श्री गणेश महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक श्री गणेश जी का पूजन किया। शुक्रवार व शनिवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बालक हितोषी सेवा समिति द्वारा मनाए जा रहे गणेश महोत्सव में लगातार अक्तों की भीड़ बढ़ रही है। रविवार को भोसले ने बताया कि सोमवार 21 सितंबर को गणेश वंदना होगी और शुक्रवार 25 सितंबर को झांकी के बाद विसर्जन होगा। शनिवार को अतिथियों ने गणपति पूजा की और लोगों की सुख-स्मृद्धि की कामना की। इस अवसर पर अंकित शर्मा, टिकू सेनी, लोकेश जांगड़ा, मनोज, चंद्रकांत, नितिन शर्मा, सचिन सेनी, पुनित टक्कर आदि ने कहा कि यह त्योहार हिन्दुओं की आस्था का अद्भुत प्रमाण है।

खरहर स्कूल में हुआ सम्मान समारोह



बहादुरगढ़। गांव खरहर के सरकारी स्कूल में शनिवार को जिला शिक्षा अधिकारी रतींद सिंह व खंड शिक्षा अधिकारी शेर सिंह के सानिध्य में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के विकास में सहयोग देने वाले भूपेद कप्तान राठी को सम्मानित किया गया। साथ ही राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में दो कांस्य पदक जीतने वाली गणित अध्यापिका मंजू दहिया का भी मनोबल बढ़ाया गया। प्रधानाचार्य डॉ. ऋतु चौपड़ा ने बताया कि भूपेद कप्तान राठी के सहयोग से विद्यालय भवन के मुख्य द्वारों सहित परिसर के सौंदर्यीकरण व कुछ अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। स्कूल की गणित लेक्चरर मंजू दहिया ने 22वीं मास्टर्स नेशनल स्विंगम प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो कांस्य पदक जीते थे। जिला शिक्षा अधिकारी रतींद सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी शेर सिंह और प्रिंसिपल रितु चौपड़ा ने मंजू दहिया को बधाई के साथ शुभकामनाएं दीं। सरपंच पिकी देवी और ग्रामीणों ने भी मंजू का स्वागत किया। प्रदीप राठी ने मंजू दहिया को \$100 की नकद राशि भेंट कर प्रोत्साहित किया। स्कूल के शानदार परीक्षा परिणाम के लिए सभी शिक्षकों व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली छात्राओं की भी सम्मानित किया गया। मंच संचालन अध्यापिका मंजू ने किया।

टग ऑफ वार प्रतियोगिता में लॉयल्टी हाउस के विद्यार्थियों ने जीती ओवरऑल ट्रॉफी

झज्जर। एलए सैनियर सैकेंडरी स्कूल में नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए इंटर हाउस टग ऑफ वार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल मैनेजेंट सदस्य जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया व अंजिता गुलिया ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस दौरान डीपीई अमित लोहचब, विशाल व महेंद्र सेनी ने हेड बाय तुषार, हेड गार्ल रिकी एवं एनएसएस यूनिट इंचार्ज मुकेश शर्मा द्वारा मैनेजमेंट सदस्यों का स्वागत किया गया। प्राचार्य निधि कादियान ने विद्यार्थियों से कहा कि खिलाड़ी देश का गौरव होते हैं। स्कूल मैनेजर केएम डागर ने बताया कि प्रतियोगिता के साथ-साथ विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता परिणामों की जानकारी देते हुए डीपीई अमित लोहचब ने बताया कि ब्लॉयज वर्ग में लॉयल्टी हाउस ने 20 अंक हासिल कर ओवरऑल ट्रॉफी जीती। पौस हाउस 15 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। गर्ल्स वर्ग में पौस हाउस ने 20 अंकों के साथ पहला तथा करेज हाउस ने 15 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। स्कूल प्रबंधन द्वारा सभी विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।



भजनों के जरिये राधा रानी की महिमा का बखान किया

श्रद्धा व उत्साह से मनाई गई राधा अष्टमी

■ राधा रानी की कृपा से भक्ति की प्राप्ति होती है। उनके बिना तो कृष्ण भी अधूरे हैं

हरिभूमि न्यूज़►►बहादुरगढ़

इलाके में शनिवार को राधा अष्टमी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस उपलक्ष्य में शहर के कई मंदिरों में कार्यक्रम हुए। कहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए तो कहीं प्रसाद वितरण किया गया। भजनों के जरिये राधा रानी की महिमा का बखान किया गया। लोगों ने उपावास भी रखा।

लाइनपार के इस्कोन मंदिर में राधा अष्टमी महा महोत्सव का



बहादुरगढ़। श्रीराधा-कृष्ण का जलाभिषेक करते नित्यानंद आश्रय दास।

आयोजन हुआ। सुबह साढ़े चार बजे मंगल आरती के साथ



बहादुरगढ़। गणेश उत्सव कार्यक्रम के दौरान अपने विचार रखते हिमांशु कौशिक। फोटो :हरिभूमि

हिमांशु ने की भगवान गणेश की पूजा

बहादुरगढ़। पूर्व विधायक नरेश कौशिक के पुत्र हिमांशु कौशिक ने वार्ड-5 के बर्गोची वाले शिव मंदिर तथा वार्ड-15 में आयोजित गणेश महोत्सव में शिरकत की। उन्होंने भगवान गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। हिमांशु कौशिक ने कहा कि भगवान गणेश विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक मूल्यों से जुड़ने का अवसर मिलता है। सभी ने भगवान गणेश से क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि और आपसी भाईचारे की कामना की।



बहादुरगढ़। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती एक बच्ची। फोटो :हरिभूमि

रंगोली, चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता

बहादुरगढ़। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वैश्य आर्य पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रिंसिपल अंजू अगवाल ने बताया कि विद्यालय में छात्राओं द्वारा वीरवार को सेवा के रंग, राष्ट्र के संग पर आधारित प्राकृतिक रंगों से आकर्षक रंगोली बनाई गई। शुक्रवार को मेरे सपनों का भारत विषय पर विकसित भारत के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता करवाई गई। जिसमें बच्चों ने अपने सपनों के भारत की चित्रों में उकेरा। शनिवार को वर्ष 2047 में मेरा भारत कैसा होगा विषय पर भाषण प्रतियोगिता हुई। प्रथम सभा में सभी विद्यार्थियों को देश के विकास में योगदान देने का संकल्प दिलाया गया।



खारे पानी की जमीन पर झींगा पालन से श्यामपाल ने बदली अपनी जिंदगी

झज्जर। खारे पानी से प्रभावित होने के कारण खेती के लिए अनुपयोगी मानी जाने वाली जमीन को क्षेत्र के गांव कुतानी निवासी किसान श्यामपाल चौहान और उनकी पत्नी मीना चौहान ने झींगा पालन के जरिए आय का मजबूत साधन बना दिया है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामने आई उनकी सफलता की कहानी नई सोच और सरकारी मार्गदर्शन का उदाहरण है। श्यामपाल ने मत्स्य विभाग से प्रशिक्षण और तकनीकी जानकारी प्राप्त करने के बाद प्रधानमंत्री मत्स्य संपद योजना के अनुरूप करीब 2 हेक्टेयर भूमि पर झींगा पालन के लिए तालाब तैयार किया। इसके लिए उन्होंने करीब 40 लाख रुपये का निवेश किया। विभागीय मार्गदर्शन में पानी की गुणवत्ता और तालाब प्रबंधन पर विशेष ध्यान देते हुए उन्होंने झींगा पालन शुरू किया। इससे उन्हें सालाना करीब 15.90 से 17 लाख रुपये तक की शुद्ध आय प्राप्त हो रही है। श्यामपाल की सफलता अन्य किसानों के लिए भी नई संभावनाओं की राह दिखा रही है।



न्यूज़ डायरी

सीएम से समस्याएं सुलझाने की मांग

बहादुरगढ़। माजपा प्रवक्ता विशाल शर्मा ने वार्ड नंबर-8 की मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री नाराय सिंह सेनी से मुलाकात की। विशाल शर्मा ने उत्तरी बाईपास के साथ लगते कच्चे रास्ते को पक्का करवाने की मांग प्रमुखता से उठाई। ताकि आसपास के लोगों को आवागमन में सुविधा मिल सके। इसके अलावा जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए गाले का निर्माण करवाने की मांग रखी। साथ ही छठ घाट का निर्माण करवाने की मांग भी सीएम के समक्ष रखी।



आयुष चिकित्सा पद्धति स्वस्थ जीवनशैली में लाभकारी

झज्जर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को सेवा मेरा योगदान थीम पर आयुष विभाग की ओर से जिलेभर में 76 आयुष स्वास्थ्य जांच शिविर, जागरूकता एवं औषधीय पौधा वितरण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर सुमन ने बताया कि शिविरों में 1778 लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया। इसके अलावा 1020 लोगों को योगाभ्यास कराया गया। कार्यक्रमों के दौरान लोगों को आयुष चिकित्सा पद्धति, स्वस्थ जीवनशैली तथा विभिन्न औषधीय पौधों की उपयोगिता बारे जागरूक करते हुए उन्हें विवरित किए गए औषधीय पौधों के संरक्षण के लिए भी प्रेरित किया गया। आयुष अधिकारी डॉक्टर पवन देशवाल ने कहा कि विभाग द्वारा लोगों को नियमित योग-व्यायाम, संतुलित आहार और उचित दिखवाएं अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।



इस्सरहेड़ी के सरकारी स्कूल में किया योगाभ्यास



बहादुरगढ़। गांव इस्सरहेड़ी स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में शनिवार को योगाचार्य जगदीश सहवाग द्वारा देशभक्ति एवं निःशुल्क योग-प्राणायाम शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य सुनीता ने की। शिक्षिका तमन्ना, पूनम, सीमा, हेमलता, प्रमिला, रजनी, गौरव, बिजेन्द्र के अलावा अधिकांश विद्यार्थी उपस्थित रहे। सहवाग ने विद्यार्थियों को योग, प्राणायाम और देशभक्ति के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से बलवान, मानसिक रूप से समर्थ, विज्ञान, चरित्रवान, संस्कारवान, गुणवान और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि योग एवं प्राणायाम के माध्यम से हमारी शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्तियों में वृद्धि होती है। नियमित योगाभ्यास से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने में सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को रात में समय पर सोने और सुबह जल्दी उठने की आदत बनानी चाहिए।

विद्यार्थियों को किया अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक

झज्जर। मदर इंडिया वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मारोत में हरियाणा अग्नि सुरक्षा विभाग की ओर से अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फायर सेफ्टी विभाग के अधिकारी सोनू सिंह और आशीष दलाल ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आग लगने के कारणों, आग के प्रकार, बचाव की सावधानियों तथा आग लगने के बाद अपनाई जाने वाली तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यालय में लगे वाटर सेफ्टी पंप और फायर सेफ्टी सिलेंडर के प्रयोग की विधि समझाते हुए कहा कि आग लगने की स्थिति में धराने के बजाय सावधानी और साहस से काम लेना चाहिए। इसके अलावा फायर बिगड़े के लिए 101 नंबर पर कॉल करके सहायता लेने की बात कही। इस दौरान विद्यालय की ओर से पवन शर्मा, उप प्राचार्य कपिल शर्मा, राजेश कुमार व धर्मवीर धानखंड द्वारा अधिकारियों का आभार जताते हुए उन्हें स्मृति विहन भेंट करके सम्मानित किया गया।



प्रश्नोत्तरी में विध्याचल सदन के विद्यार्थी रहे प्रथम



झज्जर। न्यूटन स्कूल में सैनियर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए सद्गुणानुसार प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ निदेशक बालेश कादियान, मनोज भारद्वाज, अश्वनी खासा, पबंधक रोहतारा सिंह व मुख्याध्यापिका उर्मिल बेनीवाल ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं मात्स्यार्पण करके किया। प्रतियोगिता में रामरायण और महाभारत से संबंधित प्रश्न पूछे गए। मुख्याध्यापिका उर्मिल बेनीवाल ने कहा कि प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियों से विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि होने के साथ उनमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। प्रतियोगिता में विध्याचल सदन ने प्रथम, अरावली सदन ने द्वितीय, हिमालय सदन ने तृतीय स्थान हासिल किया जबकि शिवालिक सदन के विद्यार्थियों को संचालन पुरस्कार मिला। निदेशक बालेश कादियान द्वारा सभी विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

NOTICE

I, Komal S/o Sunil Kumar R/o Village Bhalgarh (Bir Chhuchhakwas) PO Chhuchhakwas, Tehsil Matanhail, Distt. Jhajjar, Haryana-124106 declare that I, hitherto known as Komal S/o Sunil Kumar, have changed my name and shall thereafter be known as KAMAL YADAV.

सूचना

मैं, धर्मासिंह पुत्र हरि सिंह निवासी सीताराम गेट झज्जर, तहसील झज्जर, जिला झज्जर बयान करता हूं कि मेरा पुत्र दीपक व पुत्रवधू रवि कुमारी उर्फ पूजा मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चाल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सूचना

मैं, चाकलेट (Chocolate) पुत्री श्री सुरेश (Suresh) निवासी गांव कसार, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा-124507 बयान करती हूं कि मैंने अपना नाम चाकलेट (Chocolate) से बदलकर चेतना बावट (Chetana Bawat) पुत्री सुरेश बावट (Suresh Bawat) कर लिया है। मैं दोनों एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे ही नाम हैं। मुझे भविष्य में चेतना बावट (Chetana Bawat) पुत्री सुरेश बावट (Suresh Bawat) के नाम से ही जाना व पहचाना जाए।

किए। मंडलियों द्वारा कीर्तन किया गया और छोटे-छोटे बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में मौजूद रहे। सभी ने शीश झुकाकर भगवान श्रीकृष्ण-राधा से आशीर्वाद लिया। सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। मंदिर प्रमुख नित्यानंद आश्रय दास ने कहा कि राधा रानी की कृपा से भक्ति की प्राप्ति होती है। उनके बिना तो कृष्ण भी अधूरे हैं। मन लगाकर ईश्वर की अराधना करें और मानवहित में काम करें। वहीं, प्राचीन मुसली मनोहर मंदिर सहित शहर के कई अन्य मंदिरों में भी कार्यक्रम हुए। भजन मंडलियों द्वारा कीर्तन किए गए।

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। थाना सेक्टर-6 पुलिस ने चोरी करने के मामले में कारवाई करते हुए तीन आरोपियों को एक दिन के पुलिस रिमांड पर लेकर पृछताछ की। इस दौरान आरोपियों से वारदात में प्रयुक्त बाइक तथा चोरी किया गया एलईडी टीवी बरामद किया गया है। दरअसल, युद्धवीर के सेक्टर-2 स्थित मकान तथा शराब की दुकान में तोड़फोड़ कर 13 सितंबर की रात आरोपियों ने नगदी व सामान चोरी किया गया था। थाना प्रबंधक सत्यवीर ने बताया कि पुलिस टीम ने जांच के दौरान आरोपियों को गिरफ्तार कर पृछताछ की।

नीरज हत्याकांड में गौरव गिरफ्तार

बहादुरगढ़। सोलधा निवासी नीरज की हत्या के मुख्य आरोपी को सदर थाना पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। उसे अदालत में पेश कर पुलिस ने पृछताछ के लिए 2 दिन के रिमांड पर लिया है। विदित है कि नीरज का शव बालोर में लघु सचिवालय से कुछ ही कदमों की दूरी पर स्थित सरकारी स्कूल के गेट पर बनी पुरानी प्याऊ के कमरे से बरामद हुआ था।

खेत से चोरी का सामान ले जाते युवक पकड़ा

झज्जर। क्षेत्र के गांव सेहलंगा में एक किसान द्वारा बिरोहड़ निवासी एक युवक पर खेतों से सामान चोरी करने का आरोप लगाया है। पुलिस को दी शिकायत में किसान रोहतास ने बताया कि वह खेती बाड़ी का काम करता है। उसके खेत बिरोहड़ गांव की सड़क किनारे नहर के साथ लगते हैं। जब वह बीती 18 सितंबर को अपने खेत में गया तो वहां खेत से एक युवक एल्युमिनियम व लोहे के पाइप के टुकड़े व अन्य लोहे का सामान चोरी करके ले जाता हुआ दिखाई दिया।

विकसित भारत की संकल्पना पर दिए भाषण

बहादुरगढ़। बाल विकास सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विकसित भारत 2047 की संकल्पना को लेकर भाषण प्रतियोगिता हुई। विद्यार्थियों ने अपने भाषणों के माध्यम से शिक्षा, विज्ञान एवं तकनीक, स्वास्थ्य, रोजगार, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण तथा देश की आर्थिक प्रगति जैसे विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला। प्रधानाचार्य पूनम राठी ने कहा कि विद्यार्थियों में देश के प्रति जिम्मेदारी, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए ऐसी प्रतियोगिताएं महत्वपूर्ण हैं।

अनाज मंडी में धान की आवक हुई शुरू

झज्जर। मंडी में सुबाने के लिए रखा हुआ धान।

झज्जर। अनाज मंडी में धान की आवक शुरू हो गई है। शनिवार को स्थानीय अनाजमंडी में करीब 25 विक्टल धान पहुंचा। मंडी आइटी एसोसिएशन के पूर्व प्रधान धान पहलवान ने बताया कि 1509 किस्म वाला यह धान आदिशियों द्वारा प्रब्लेट खरीद करते हुए 3800 रुपये प्रति विक्टल की दर से खरीदा गया। बता दें कि जिले में खरीक सीजन 2026 के लिए बाजरे की फसल भी पककर तैयार हो चुकी है और किसानों ने कटाई का काम तेजी से शुरू कर दिया है। सरकारी नियमों और व्यवस्था के अनुसार जिले में बाजरे की आधिकारिक सरकारी खरीद आमतौर पर एक अक्टूबर से शुरू होती है। सितंबर के महीने से ही मंडियों में बाजरे की आवक शुरू हो जाती है, लेकिन सरकारी खरीद और गेट पास की प्रक्रिया अक्टूबर की शुरुआत से सुचारु रूप से लागू की जाती है।

जीवन में पवित्रता का आना ही उत्तम शौच

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

दशलक्षण पर्व का चौथा दिन शनिवार को उत्तम शौच धर्म के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर भगवान महावीर का अभिषेक एवं आरती की गई। दशलक्षण पर्व के कारण जटवाड़ा मोहल्ला स्थित दिगंबर जैन मंदिर के अलावा अग्रवाल कॉलोनी व संत कॉलोनी के जैन मंदिरों में अनेक आयोजन हो रहे हैं। शनिवार को मंदिर में पूजा करते हुए शशि जैन व अश्वनी जैन ने बताया कि उत्तम शौच का अर्थ है, लोभ को छोड़ना, जिससे जीवन में शुचिता यानी पवित्रता आए। जीवन में पवित्रता का आना ही उत्तम शौच है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में लोभ लालसा कभी पूरे नहीं होते हैं। मनुष्य को जितना मिलता है, वह उससे अधिक पाने की हमेशा चाह रखता है।

नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, जिम्मेदारी तय करने की मांग तेज नाले की सफाई के बाद स्लैब छोड़े दूसरे विभाग ने गड्डों में लगा दिए

आरडब्ल्यू के पूर्व प्रधान जयपाल सांगवान का कहना है कि यदि नाले की सफाई के दौरान स्लैब हटाए गए थे तो उन्हें दोबारा उसी स्थान पर लगाने की जिम्मेदारी भी नगर परिषद की होनी चाहिए थी

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

शहर के सेक्टर-6 में नगर परिषद की ओर से बीते दिनों नालों की सफाई करवाई गई थी। सफाई कार्य के बाद नालों को ढकने के लिए इस्तेमाल किए गए ग्रीकास्ट स्लैब संबंधित एजेंसी द्वारा नाले के किनारे ही छोड़ दिए गए। काफी समय तक ये स्लैब वहीं पड़े रहे, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिली।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, नालों की सफाई के बाद स्लैब को व्यवस्थित तरीके से वापस लगाए जाने की उम्मीद थी, लेकिन सफाई कार्य पूरा होने के बाद संबंधित एजेंसी ने इन्हें उठाकर लगाने की बजाय नाले के साइड में ही छोड़ दिया। इसके बाद एक अन्य विभाग द्वारा इन ग्रीकास्ट स्लैब को उठाकर क्षेत्र में बने गड्डों में लगा दिया गया। इस घटनाक्रम को लेकर अब स्थानीय लोग नगर



बहादुरगढ़। सफाई के बाद नारे किनारे छोड़े गए ग्री कॉस्ट स्लेब।

परिषद और संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं। आरडब्ल्यू के पूर्व प्रधान जयपाल सांगवान का कहना है कि यदि नाले की सफाई के दौरान स्लैब हटाए गए थे तो उन्हें दोबारा उसी स्थान पर लगाने की जिम्मेदारी भी नगर परिषद की होनी चाहिए थी। वहीं, स्लैब को दूसरे स्थान पर इस्तेमाल किए जाने से यह सवाल खड़ा हो रहा है कि आखिर नाले की सफाई और स्लैब लगाने के नाम पर किए गए खर्च का वास्तविक उपयोग किस प्रकार हुआ। सरकारी विभागों के बीच बेहतर तालमेल के अभाव में सार्वजनिक धन का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है।



बहादुरगढ़। सड़क के गड्ढों को भरने में इस्तेमाल किए गए स्लैब।

सरकारी संसाधनों के इस्तेमाल पर सवाल एक विभाग ने नाले की सफाई के दौरान स्लैब हटाए और उन्हें वापस लगाने के बजाय वहीं छोड़ दिया, जबकि बाद में दूसरे विभाग ने उन्हीं स्लैब को गड्ढों में लगा दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी धन जनता से प्राप्त राजस्व से आता है, इसलिए उसके इस्तेमाल में पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही होनी चाहिए। संबंधित अधिकारियों को यह स्पष्ट करना चाहिए कि नालों की सफाई के बाद स्लैब लगाने की जिम्मेदारी किस एजेंसी की थी और उन्हें दोबारा नाले पर लगाने के लिए क्या कार्रवाई की गई। जयपाल सांगवान ने कहा कि शहर में पहले से ही कई जगहों पर विकास कार्यों की गुणवत्ता और रखरखाव को लेकर लोगों में सवाल हैं। ऐसे मामलों से आम जनता में सरकारी व्यवस्था के प्रति गलत संदेश जाता है। उन्होंने नगर परिषद से मामले की जांच करवाकर जिम्मेदारी तय करने और यह सुनिश्चित करने की मांग की कि भविष्य में सरकारी संसाधनों का इस तरह बेतरतीब इस्तेमाल न हो।

टैलेंट सर्च में विद्यार्थियों ने बिखेरा कला का रंग

हरिभूमि न्यूज. बहादुरगढ़

राजकीय महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम टैलेंट सर्च के समापन दिवस का आगाज प्राचार्या सुमन हुड्डा के संबोधन के साथ हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को कला और संस्कृति के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

सांस्कृतिक मंच की शुरुआत एकल और समूह नृत्य प्रस्तुतियों से हुई। नृत्य प्रतियोगिताओं का सफल संचालन नृत्य समन्वयक पूनम और हीरा की देखरेख में संपन्न हुआ। इसके पश्चात, नाटक समन्वयक आकांक्षा के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा दो बेहतरीन मंच नाटकों की प्रस्तुति दी गई। पहला नाटक पेपर हाइस्ट और दूसरा नाटक जन्मरेशन गैप विषय पर



बहादुरगढ़। कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

आधारित था। प्रतियोगिताओं में विजेता छात्र-छात्राओं का चयन करने के लिए मुख्य निर्णायक मंडल में डॉ. नीरज सोलंकी, डॉ. मोनिका और श्वेता शामिल रहे। लोक नृत्य में प्रथम झलक, द्वितीय स्वीटी तथा तृतीय सोनिया रही। सामान्य नृत्य में प्रथम गोविंद, द्वितीय नंदिनी व तृतीय स्वीटी रही। ग्रुप डांस में गोविंद व सलोनी पहले, जया व

दीक्षा दूसरे तथा सलोनी व झलक तीसरे स्थान पर रहे। मंच नाटक में सत्यम, तमन्ना, हिमांशी, सलोनी, इमियाज, विधिता, सुभाष व गौरव की पहले नंबर पर रही। तमन्ना, हर्षिता, ध्रुव, ममता, झलक, प्रणव, श्रुति व कनिका की मंडली दूसरे नंबर पर रही। संगीत प्रतियोगिताएं नीरा और सीमा की देखरेख में हुई। निर्णायक मंडल में

रीना कुमारी, डॉ नीरज सोलंकी और रचना शामिल रहे। भजन में प्रथम कामिनी, द्वितीय नंदिनी और तृतीय प्रियांशु रहे। एकल गायन में रमनदीप प्रथम, मोंटी द्वितीय और हर्षिता तृतीय रहे। कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्या सुमन हुड्डा व समस्त स्टाफ सदस्यों ने विजेता प्रतिभागियों को मेरिट प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया।

लाडो लक्ष्मी योजना के लिए पात्र महिलाएं जल्द कराएं पंजीकरण : डीसी

झज्जर। दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के दूसरे चरण के अंतर्गत नए पात्र लाभार्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया जारी है। डीसी वर्षा खांगवाल ने जिले की पात्र महिलाओं से योजना का लाभ लेने के लिए जल्द पंजीकरण करवाने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य पात्र महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थी महिलाओं को 2100 रुपये की मासिक आर्थिक सहायता दी जाती है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंजीकरण करवाने वाली महिलाओं को योजना की पात्रता और प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध करावाते हुए पूरा सहयोग दिया जाए।

न्यूज डायरी

कार्यक्रम में 25 लोगों ने भरे नेत्रदान संकल्प फॉर्म झज्जर। जिलेमर में 17 अक्टूबर तक चलए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सीएमओ डॉक्टर मंजू कादियान ने बताया कि नागरिक अस्पताल, उपमंडल अस्पताल, सीएचसी, पीएचसी सहित अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में रक्तदान, एनीमिया जांच, पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, किशोर स्वास्थ्य, एचपीवी वैक्सीनेशन, टीबी, एचआईवी-एड्स, नशामुक्ति, आयुष्मान भारत तथा अंगदान-नेत्रदान को लेकर जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इस मौके पर डॉक्टर नयिता यादव, डॉक्टर दीपिका, डॉक्टर मेधा, डॉक्टर विकास व नर्सिंग ऑफिसर निधि सहित अन्य भी उपस्थित रहे।



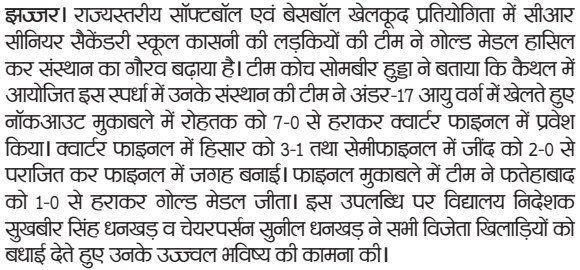
निधि और तनुज ने जीते स्वर्ण पदक बहादुरगढ़। बाबा रामदास एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी में दिव्यांग बच्चों के लिए हरियाणा की पहली खेल नर्सरी बनाई गई है। कोच विशाल चतुर्गुज ने बताया कि पंचकुला में हुई हरियाणा राज्य ताइक्वांडो स्कूल खेलों में निधि ने अंडर-17 एवं 35 किलो भारवर्ग श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता। अब निधि जम्मू कश्मीर में होने वाले नेशनल ताइक्वांडो स्कूल गेम्स में दम दिखाएंगी। रेवाड़ी में हुए लड़कों के टूर्नामेंट में तनुज ने अंडर-14 एवं 29 किलो भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता। तनुज नागालैंड में होने वाले नेशनल ताइक्वांडो स्कूल गेम्स के लिए वर्धमान हुए। स्कूल निदेशक नवीन देशवाल ने निधि और तनुज का स्वागत कर बधाई दी।



हितेश हत्याकांड में मुख्य आरोपी से पूछताछ जारी झज्जर। क्षेत्र की माछरोली थाना पुलिस ने सुबाना निवासी हितेश उर्फ गुल्लू हत्याकांड में कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी प्रदीप से पूछताछ के बाद चार अवेध हथियार, पांच जिंदा मैगजीन और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। माछरोली थाना प्रबंधक संदेश कुमार ने बताया कि आरोपी प्रदीप निवासी निरधरपुर को दिल्ली जेल से प्रोडक्शन वॉरंट पर लाकर चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर उक्त बरामदगी की गई। उन्होंने बताया कि हितेश उर्फ गुल्लू हत्याकांड की जांच के दौरान पुलिस द्वारा आरोपियों से पूछताछ तथा मामले से जुड़े अन्य साक्ष्यों को जुटाने की कार्रवाई लगातार की जा रही है। पुलिस ने रिमांड के दौरान वारदात से जुड़े विभिन्न पहलुओं और अन्य आरोपियों की भूमिका के संबंध में भी पूछताछ की। बरामद हथियारों और मोटरसाइकिल को जांच में शामिल कर लिया गया है।



सॉफ्टबॉल व बेसबॉल में कासनी स्कूल रहा विजेता झज्जर। राज्यस्तरीय सॉफ्टबॉल एवं बेसबॉल खेलकूद प्रतियोगिता में सीआर सीनियर सैकेंडरी स्कूल कासनी की लड़कियों की टीम ने गोल्ड मेडल हासिल कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। टीम कोच सोमबीर हुड्डा ने बताया कि कैथल में आयोजित इस स्पर्धा में उनके संस्थान की टीम ने अंडर-17 आयु वर्ग में खेलते हुए नॉकआउट मुकाबले में रोहतक को 7-0 से हराकर क्वाटर फाइनल में प्रवेश किया। क्वाटर फाइनल में हिसार को 3-1 तथा सेमीफाइनल में जींद को 2-0 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में टीम ने फतेहाबाद को 1-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। इस उपलब्धि पर विद्यालय निदेशक सुखबीर सिंह धनखड़ व चेयरपर्सन सुनील धनखड़ ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उच्चल भविष्य की कामना की।



विधायक ने सांखोल मंदिर भवन के लिए 2 लाख दिए बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून ने शनिवार को गांव सांखोल में ददा सैयद मंदिर के भवन निर्माण कार्य का गामवासियों के साथ विधिवत शुभारंभ किया। राजेश जून ने मंदिर भवन के निर्माण के लिए अपनी निजी कमाई से 2 लाख रुपये का सहयोग भी दिया। विधायक ने कहा कि धार्मिक स्थल हमारी आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता के केंद्र हैं। ददा सैयद मंदिर से गामीणों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है। मंदिर भवन के निर्माण से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। गामीणों ने इसके लिए विधायक राजेश जून का आभार व्यक्त किया।



बामंडोली में विक्रम समेत वकीलों का किया सम्मान



बहादुरगढ़। बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित प्रधान एडवोकेट विक्रम खिल्लर का गांव बामंडोली में खिल्लर-छिकरा के गांवों की सरदारी की ओर से सम्मान किया गया। गामीणों ने उन्हें पगड़ी व मालाएं पहनाकर सम्मानित किया। विक्रम एवं एसोसिएशन के उप प्रधान संजय कुमार, अमित छिकरा, पूर्व उप प्रधान संदीप गुलिया, विजय खिल्लर तथा पूर्व सचिव राजदीप खिल्लर आदि अधिवक्ताओं के साथ जोहड़ वाले शिव मंदिर पर मर्या टंका। गामीणों ने उन्हें बहादुरगढ़ बार एसोसिएशन का प्रधान चुने जाने पर बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। इस मौके पर प्रधान कपूर सिंह दलाल, पूर्व चेयरमैन दयानंद दलाल, प्रधान बलवान सिंह, जितेंद्र खिल्लर, योगीराज, मास्टर अनूप खिल्लर, सौरेंद्र खिल्लर, ओमबीर छिकरा, देवेन्द्र पहलवान, कृष्ण खिल्लर, राजेंद्र पहलवान, कर्ण खिल्लर, रामकंवार, हेमंत पंडित व जितेंद्र शास्त्री आदि मौजूद रहे।

ढाई करोड़ की लागत से बनी लैब में छात्रों को आधुनिक तकनीकों का मिलेगा प्रशिक्षण

झज्जर आईटीआई में एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग लैब का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान झज्जर एट गुदा में एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग लैब का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन अवसर पर मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ वाइस प्रेसिडेंट संजीव कुमार सिन्हा मुख्यातिथि व वरिष्ठ जनरल मैनेजर समद खान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संस्थान प्राचार्य जीतपाल ने बताया कि मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने सीएसआर के अंतर्गत करीब ढाई करोड़ रुपये की लागत से लैब की स्थापना की है। इसमें असेंबली लाइन, पेंट शॉप, जिग एवं



झज्जर। लैब के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित शिक्षक एवं कंपनी प्रतिनिधि।

फिक्सचर लैब, मारुति सुजुकी बेसिक ट्रेनिंग स्टेशन, मशीनिस्ट लैब और सेफ्टी लैब सहित आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं

उपलब्ध कराई गई हैं। इससे मैकेनिक मोटर व्हीकल, मैकेनिक डीजल, मैकेनिक ट्रैक्टर, फिटर और वेल्डर ट्रेड के विद्यार्थियों को

नवीनतम तकनीकों का प्रशिक्षण मिलेगा। लैब का शुभारंभ करते हुए संजीव कुमार सिन्हा ने कहा कि उनकी कंपनी कोशल विकास एवं

ये रहे मौजूद इस मौके पर आईटीआई मानहेल के प्राचार्य अनिल दलाल, अधीक्षक राजकंवर अहलावाल, शिक्षका एवं प्लेसमेंट अधिकारी जितेंद्र, महिला आईटीआई प्रमारी सत्यवती, मारुति सुजुकी की टीम से विनय, रुमेल राणा व ढाईटी आहूड़ा सहित अन्य भी उपस्थित रहे। औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के साथ मिलकर स्किल इंडिया मिशन और विकास भारत के लक्ष्य की दिशा में कार्य कर रही है। प्राचार्य द्वारा मुख्यातिथि व विशिष्ट अतिथि सहित अन्य टीम सदस्यों को शॉल व पौधा भेंट करके सम्मानित किया गया।



स्लीपकेशन घुमक्कड़ी के साथ मिलेगी भरपूर आराम वाली नींद

आज की भाग-दौड़ मरी जीवनशैली में अधिकतर लोगों को सुकून और चैन मरी नींद की कमी अकसर महसूस होती है। इस कमी को पूरा करने में स्लीपकेशन का ट्रेंड बहुत कारगर साबित होता है। जहां घूमने के साथ ही भरपूर आराम का भी मौका मिलता है। स्लीपकेशन क्या है, इसका ट्रेंड क्यों बढ़ रहा है, आप भी जानना चाहेंगे।

दिल की बीमारी और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के बोझ को और बढ़ा रही है।

इसलिए बढ़ रहा स्लीपकेशन का ट्रेंड

यूपस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन जैसे बड़े हेल्थ ग्रुप्स के दिशा-निर्देशों की मानें, तो ज्यादातर स्वस्थ वयस्कों को बेहतर ढंग से काम करने के लिए हर रात 7 से 9 घंटे की नींद की जरूरत होती है। लेकिन ‘लोकल सर्कलस’ का एक सर्वे बताता है कि आज लगभग 10 में से 6 भारतीय वयस्कों को छह घंटे से भी कम की बिना रुकावट वाली नींद मिलती है। करीब 50 फीसदी से अधिक काम-काजी लोग नींद की कमी से जूझ रहे हैं। इससे दिमाग पर बोझ बढ़ रहा है और वे



थका हुआ महसूस करते हैं। इस ‘स्लीप डेब्ट’ को दूर करने के लिए ही स्लीपकेशन पर जाने का चलन बढ़ रहा है।

टूरिज्म सेक्टर का नया बाजार

आज कई बड़े टूरिज्म कॉर्पोरेट्स ने इस नए बाजार को देखते हुए ऋषिकेश, कुर्ग, केरल, धर्मशाला और उदयपुर के कई प्रीमियम वेलनेस रिजॉर्ट्स में इस उभरते सेक्टर के लिए तैयारी करनी शुरू कर दी है। इन रिजॉर्ट्स के कमरों में टीवी या डिजिटल गैजेट्स की मनाही होती है। कमरों में पूरी तरह सन्नाटा और अंधेरा बनाए रखने के लिए विशेष पर्दों का इस्तेमाल किया जाता है। सोने से पहले लेवेंडर एरोमा थैरेपी और विशेष मेलेटोनिन रिच डाइट या हर्बल टी दी जाती है, जो गहरी नींद लाने में मदद करती है। उत्तराखंड के मारचुला में एक रिजॉर्ट के संचालक करण कहते हैं, ‘आजकल की शहरी जिंदगी से हर कोई बाकिफ है। देर रात तक लैपटॉप पर काम करना, टीवी या मोबाइल देखना, एक ऐसी आदत बन गई है कि उससे छुटकारा नहीं मिल पा रहा। डेडलाइंस को पूरा करने के लिए पेशेवर लोग आधी-आधी रात तक स्क्रीन से चिपके होते हैं। इसका सेहत पर असर पड़ता है। इसलिए स्लीपकेशन के दौरान उनके सुकून का विशेष ध्यान रखा जाता है। कोई डिस्टर्ब न करे ताकि वे साथ आए दोस्तों अथवा परिजनों से बात करें। सुबह के समय उनके लिए योग एवं ध्यान और शाम को संगीत का सेशन रखा जाता है, जिससे कि उनका दिमाग शांत रहे और वे अच्छी नींद ले सकें।’

कवर स्टोरी / अंशु सिंह

हाल के वर्षों में हमारे यात्रा करने के तरीके में एक अलग तरह का बदलाव आ रहा है। तेजी से घूमने-फिरने और व्यस्त शेड्यूल के बजाय अब लोग घुमक्कड़ी के दौरान आराम, शांति और सुकून भरे पलों की तलाश कर रहे हैं। इसे स्लीपकेशन या स्लीप टूरिज्म कहा जा रहा है। यानी एक ऐसी सोच-समझकर की गई धीमी गति वाली यात्रा, जो भाग-दौड़ के बजाय आराम को प्राथमिकता देती है।

सोने के लिए जा रहे घूमने

पेशे से चिकित्सक मेघना सेठ की दिनचर्या कुछ ऐसी रहती थी कि उन्हें नींद पूरी करने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती थी। नींद की इस कमी का असर कहीं न कहीं उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने लगा था। उनके व्यवहार में हल्का चिड़चिड़ापन भी आ गया था, जो उनके पेशे के लिए सही नहीं था। उनके कुछ दोस्तों ने उन्हें कहीं घूमने जाने की सलाह दी और मेघना निकल पड़ीं, दोस्तों के साथ चार दिन के वीकेंड ट्रिप पर। लेकिन पहले दिन के गुजरते ही उन्होंने सबको साफ-साफ कह दिया कि वे अब और कहीं घूमेंगी नहीं, बल्कि कमरे में आराम करेंगी और अपनी नींद पूरी करेंगी। दोस्तों को पहले पहल उनका साथ घूमने से इंकार करना अच्छा नहीं लगा। कुछ देर तक सबने मौन साध लिया। लेकिन फिर मेघना ने उन्हें राजी कर लिया और इस तरह अगले दो दिन वे रिजॉर्ट में ही रहीं। गुरुग्राम के एक एमएनसी में सीनियर एनालिस्ट अमित मिश्रा भी जब कभी फैमिली ट्रिप पर जाते हैं, तो ये सुनिश्चित करते हैं कि वहां उन्हें अपनी नींद पूरी करने का पूरा मौका मिले। इसलिए वे ज्यादा भाग-दौड़ या आस-पास के इलाकों को एक्सप्लोर करने के बजाय रिजॉर्ट में रहकर ही छुट्टियां मनाने को प्राथमिकता देते हैं।



अनोखा होता है स्लीपकेशन का अनुभव

- ▶ इसमें व्यक्ति को सुबह बिना आलार्म के जागना होता है।
- ▶ बादलों को घुमड़ते हुए देखने के साथ कोई गर्म पेय पीना।
- ▶ अपने विचारों को लिखना या पूरी तरह से शांति में बैठना।
- ▶ बिना किसी मंजिल के लंबी सैर पर यूं ही घूमने निकल जाना।
- ▶ इसमें कोई तय कार्यक्रम नहीं होता। हर पल को रिकॉर्ड करने का कोई दबाव नहीं होता।
- ▶ स्लीपकेशन के दौरान धीरे-धीरे कुछ बदलाव महसूस होते हैं।
- ▶ मेडिटेशन से मन शांत होने लगता है।
- ▶ शरीर आराम महसूस करने लगता है।



गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा ‘नवरंग’

याद नहीं करता कोई भी

याद नहीं करता कोई भी वक्त निकल जाने के बाद
लाथ छोड़ देते हैं अक्सर लोग संभल जाने के बाद

इस जग का दस्तूर यही है सब साथी हैं त्रियायरे के
घुस जाते हैं लोग घरों में सूरज ढल जाने के बाद

रूप-रंग, कौमार्य उसे नित बांधे रखता है गुलशन से
पास नहीं जाता फिर भौंरा गुल के फल जाने के बाद

इश्क हुआ तो बेफिक्री में कुछ भी संभव हो जाता है
ढल जाता है हर सांघे में लोह पिघल जाने के बाद

दिल से जो भी निकलेगा वो लौट नहीं पाएगा फिर से
जैसे लौट नहीं पाता है बीता कल जाने के बाद

केवल आप प्रतीक्षा करिए दिन के ढल जाने का ‘नवरंग’
परवानों की भीड़ लगेगी शम्भा जल जाने के बाद

लंगर / धर्मेन्द्र जोशी

आजकल अधिकतर शहरों की सड़कों पर जगह-जगह ‘कार्य प्रगति पर है!’ के बोर्ड लगे हुए दिख जाते हैं। बोर्ड धुंधला जाते हैं, मगर कार्य को गति नहीं मिल पाती है। प्रगति जमीन पर नहीं बल्कि केवल बोर्ड पर ही लिखी दिखाई देती है। यही वजह है कि जो गड़बड़ पिछली बारिश में नन्हें-नन्हें अवतरित हुए थे, वे अब पाताल के द्वार रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। न जाने कितने दो पहिया वाहन सवार पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को खुद पर गिरा कर हमेशा के लिए उनकी स्मृति इनमें अंकित हो चुकी है।

इधर, शहर के लोग सड़क पर फैले कीचड़ की फिसलन से हलकान हो रहे हैं और उधर, नेता, अधिकारी, इंजीनियर और ठेकेदार स्वीकृत राशि पर अपनी-अपनी पकड़ बनाने के लिए बेताब दिख रहे हैं। यही कारण है कि जो कार्य तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है। लोगों के घर धूल के गुबार से गुलजार हो रहे हैं। गृहिणियों का गृहकार्य बढ़ चुका है। वे सफाई में हाथ बंटाने के लिए अपने वीटो पावर का उपयोग कर

मेरी कॉलोनी में रहने वाले एक वृद्ध की दिनचर्या वर्षों से नहीं बदली थी। हर शाम वह चारपाई पर बैठकर दरवाजे की ओर टकटकी लगाए रहते। लोग समझते, शायद बेटे का इंतजार है। बेटा महीने में केवल एक बार आता। जल्दबाजी में हाल-चाल पूछता, दवाइयां रखता और कहता, ‘पिताजी, किसी चीज की जरूरत हो तो बता दिया कीजिए।’ वृद्ध मुस्कुरा देते, ‘सब है बेटा कुछ नहीं चाहिए।’ एक सर्द रात वह चुपचाप इस दुनिया से विदा हो गए। घर समेटते समय बेटे ने उनका पुराना तकिया उठाया। तकिया भारी लगा। खोलकर देखा तो उसमें न पैसे थे, न गहने, केवल संभालकर रखी छोटी-छोटी पर्चियां थीं। हर पर्ची पर एक तारीख और अधूरी-सी टीस लिखी थी, ‘आज बहुत मन था कि बेटा थोड़ी देर बैठ जाता।’ ‘आज पहली बार खाना अकेले खाया।’ ‘डॉक्टर ने कहा, बातें करते रहिए। मगर किससे?’ ‘आज बरामदे में दो कप चाय रखी दूसरी ठंडी हो गई।’

सबसे आखिरी पर्ची पर लिखा था, ‘अब उसे बुलाना मता वह बहुत व्यस्त होगा।’ पर्चियां पढ़ते-पढ़ते बेटे की आंखें धुंधला गईं। उसे पहली बार समझ आया कि उसने पिता को हर जरूरत पूरी की, पर उनके अकेलेपन को

कार्य प्रगति पर है!

शहर के लोग सड़क पर फैले कीचड़ की फिसलन से हलकान हो रहे हैं और उधर, नेता, अधिकारी, इंजीनियर और ठेकेदार स्वीकृत राशि पर अपनी-अपनी पकड़ बनाने के लिए बेताब दिख रहे हैं। यही कारण है कि जो कार्य तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है।

घर के पुरुषों को भी बरामदे, कमरों और पोर्च की सफा-सफाई के लिए आदेश देती रहती हैं। इससे बचने के लिए काम-काजी पुरुष वर्ग, बहाने बनाकर अपने कार्यस्थल पर सुबह जल्दी जाते और शाम को विलंब से घर लौटते हैं।

सड़क के किनारे मौजूद गटर और नालियां भी लंबे समय से अपने जीर्णोद्धार के लिए खुली हुई हैं, जिससे जमा गंदे पानी में मच्छरों के झुंड बिना रोक-टोक के

यायावरी करते रहते हैं। उनकी सक्रियता से सरकारी और निजी अस्पताओं में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के मरीजों की लाइन दिन-प्रतिदिन लंबी होती जा रही है।

कुछ जागरूक नागरिकों ने अपने घर के सामने मौजूद जलयुक्त कुंड को पार करने के लिए पट्टिए के अस्थाई पुल का निर्माण कर रखा है। लेकिन सावधानी हटते ही उस पर भी दुर्घटना घटित हो जाती है। मुख्य सड़क से लगे मकान के रहवासी बेचारे जी,



लघुकथा / कृति आर.के. जैन

पिता का तकिया



कभी नहीं पढ़ा। उसने तर्किए को सीने से लगा लिया। उस दिन वह पहली बार फूट-फूटकर रोया, क्योंकि दुनिया का सबसे महंगा तकिया वही होता है, जिसमें रुई नहीं, अधूरी प्रतीक्षाएं भरी हों। रिश्ते अभाव से नहीं, उपेक्षा और प्रतीक्षा से दम तोड़ते हैं।



ऑनलाइन शॉपिंग का बढ़ता ट्रेंड ऑफर-रिटर्न ट्रैप से रहें सावधान

फेस्टिव सीजन के साथ ही जमकर शॉपिंग भी शुरू हो जाती है। इसी के चलते ऑनलाइन शॉपिंग में ऑफर्स और कई लालच दिए जाते हैं। इसको अच्छी तरह समझना और इसके जाल में फंसने से बचने के लिए सावधानी जरूरी है।

लाइफस्टाइल / विवेक कुमार

कभी बाजार जाने के लिए समय निकालना पड़ता था, दुकान-दुकान घूमना पड़ता था, फिर भी मनपसंद चीज मिलेगी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं होती थी। अब वही खरीदारी मोबाइल स्क्रीन पर कुछ मिनटों में ही हो जाती है। कपड़ों से लेकर कॉस्मेटिक, किचन का सामान, जूते, बैग, बच्चों की चीजें और रोजमर्रा का राशन तक घर बैठे मंगाया जा सकता है। इससे महिलाओं को बहुत सुविधा हुई है। लेकिन इस सुविधा में नई तरह की चुनौतियां और फंसाने वाले जाल भी मौजूद होते हैं।

ऑफर के लालच से बचें: ऑनलाइन बाजार में ग्राहक को आकर्षित करने के लिए लगातार सेल, कूपन, फ्लैश डील, आज आखिरी मौका, सिर्फ दो पीस बाकी, मुफ्त डिलिवरी जैसे संदेश बार-बार इस तरह दोहराए जाते हैं कि आपके दिमाग में बैठ जाएं। ऐसे में कई बार हमें जरूरत नहीं होती, फिर भी हम ढेर सारी चीजें खरीद लेते हैं। क्योंकि ऑनलाइन खरीदारी में एक भ्रम यह बना दिया गया है कि यहां सब कुछ बहुत सस्ता मिल रहा है। ऐसे में लोग सोचते हैं, जब 40 फीसदी तक सस्ता है, तो खरीद ही लेना चाहिए। लेकिन जब हमें किसी चीज की जरूरत न हो, तो उसकी खरीदारी बचत नहीं बल्कि एक तरह का खर्च होता है। इसलिए किसी भी डील को देखकर सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए, अगर इस पर छूट नहीं होती, तो क्या मैं इसे खरीदता? अगर जवाब नहीं है, तो इसका मतलब है खरीदारी की जरूरत नहीं थी, बस विज्ञापन के प्रभाव में आकर खरीद लिया। एक बात और याद रखें ऑनलाइन खरीदारी में सबसे बड़ा आकर्षण तस्वीरों का होता है। शानदार रोशनी में खींची गई मॉडल की तस्वीर देखकर कोई ड्रेस बेहद खूबसूरत लग सकती है। लेकिन वास्तविक उत्पाद का रंग, कपड़े की गुणवत्ता या फिट का आकार जरूरी नहीं कि अच्छा ही हो। इसलिए केवल तस्वीर



पर भरोसा करना सही नहीं है। उत्पाद का विवरण पढ़ना भी बहुत जरूरी है।

जरूर पढ़ लें रिव्यू: जब ऑनलाइन खरीदारी करें, तो सबसे कारगर होते हैं पहले के खरीदारों के खरीद संबंधी रिव्यू। इसलिए जब भी ऑनलाइन कोई चीज खरीदें, तो उसके पहले ऑनलाइन रिव्यू जरूर पढ़ें। हालांकि यहां भी हर खरीदार की उसकी अपनी समीक्षा को बिल्कुल सत्य न मान लें। बेहतर है कि कई खरीदारों की प्रतिक्रियाएं पढ़ें, खासकर उन टिप्पणियों को विशेष रूप से देखें, जिनमें उत्पाद की कमियां विस्तार से बताई गई हों।

रेंटिंग स्टार्स से रहें सावधान: जहां तक रेंटिंग की बात है तो रेंटिंग के स्टार देखकर अंतिम निष्कर्ष पर न पहुंचें बल्कि लिखी हुई टिप्पणी का मतलब ज्यादा सच होता है। पांच सितारे देखकर तुरंत प्रभावित होने की बजाय, यह देखना ज्यादा उपयोगी होता है कि ग्राहक ने वास्तव में लिखा क्या है? कई बार हजारों लोगों की अच्छी रेंटिंग के बावजूद आपकी जरूरत के लिए उत्पाद अनुपयुक्त हो सकता है।

जान लें रिटर्न पॉलिसी: ऑनलाइन खरीदारी में एक सबसे बड़ी भूल है कि उत्पाद खरीदने से पहले रिटर्न पॉलिसी न पढ़ना। कई उत्पादों पर रिटर्न उपलब्ध नहीं होता। कुछ पर केवल रिफ्लेसमेंट होता है। जबकि कुछ में रिफंड के लिए विशेष शर्तें होती हैं। कपड़े, कॉस्मेटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुओं के नियम अलग-अलग हो सकते हैं। इसलिए भुगतान करने से पहले यह देखना चाहिए कि उत्पाद वास्तव में रिटर्न किया जा सकता है या नहीं। कितने दिनों के भीतर किया जा सकता है और रिफंड किस माध्यम से मिलेगा?

सही प्लेटफॉर्म चुनें: सस्ती कीमत देखकर किसी अनजान वेबसाइट पर तुरंत भुगतान करना जोखिमभरा हो सकता है। वेबसाइट का नाम, संपर्क, जानकारी, रिटर्न नीति और भुगतान का विकल्प देखकर ही खरीदारी करनी चाहिए।

किसी तरह अपनी हंसी पर नियंत्रण कर उन्हें बाहर निकाला। वे रुआंसी होकर कीचड़ से सने हुए कपड़े धारण किए घर में प्रविष्ट हुईं। अभी दो दिन पहले ही एक नवयुवक बाइक सवार मोबाइल पर अपनी प्रेयसी से बात करने में इतना मशगूल हुआ कि अपनी स्ट्राइलिश बाइक समेत नालीदर्शन को प्रवेश कर गया। बमुश्किल लोगों ने उसको बाहर निकाला। इस तरह की तमाम घटनाएं लगातार होती रहती हैं। कार्य में प्रगति भले न के बराबर हो लेकिन आते-जाते लोगों को ‘कार्य प्रगति पर है’ का बोर्ड जरूर दिखाई पड़ता है।

सड़क निर्माण में विलंब को पक्ष और विपक्ष के नेता आपदा में अवसर के रूप में देखते हैं। वे नेता जो चार साल पहले चुनावी रण में धूल काट चुके थे, वे एक लंबे अंतराल के बाद अपने पंख फड़फड़ा कर मुद्दा लपकने की चेष्टा में जुट जाते हैं, ताकि उनकी राजनीतिक बेरोजगारी दूर हो सके। वहीं सत्तासीन नेता यह प्रयास करते हैं कि सड़क निर्माण कार्य चुनाव के ठीक पहले ही पूर्ण हो, ताकि उनके अपने क्षेत्र में विकास कार्यों की फेहरिस्त में इसे जोड़ा जा सके और जाते जाते के जरिए को और मजबूत किया जा सके।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता के आकाश में स्त्री चेतना के स्वर

कवित्री आरती आस्था का पांचवां कविता संग्रह ‘छत पर लड़कियां’ कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। इन कविताओं की रेंज बहुत बड़ी ही नहीं बहुस्तरीय भी है। यहां सदियों से पितृसत्तात्मक सोच वाले समाज में पली-बढ़ी स्त्री को दारुण व्यथा के साथ ही स्त्री चेतना का वह स्वर भी गुंजता है, जो हर अनुचित प्रतिबंध को अस्वीकारता है। ‘छत पर खड़ी लड़कियां/देखते हुए डूबते



कभी नहीं है, डूबना नहीं है डूबना/यह प्रक्रिया भर है/दोबारा से उगने की।’ जैसी पंक्तियां यह साबित करती हैं कि स्वतंत्रचेता स्त्री प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हार मानने के बजाय नई उड़ान भरने को तत्पर रहती है। ‘बिंदी और सिंदूर’ कविता एक ऐसा बिंब उकेरती है, जो पारंपरिक प्रतीकों को भी नए संदर्भ में परिभाषित करती है। यहां स्पष्ट होता है कि आज स्त्री अपने अस्तित्व को स्वीकारने में जरा भी नहीं हिचकिचाती है। स्त्री की सोच में आए क्रांतिकारी

बदलाव को संग्रह की कई अन्य कविताओं में स्पष्ट तौर पर लक्षित कर सकते हैं। ‘मी लॉर्ड! मुझे ‘चाय दीजिए’ कविता में वह कहती है, ‘मैंने कल कर दिया/मी लॉर्ड/उस लड़की का/परंपराओं, संस्कारों के हवन कुंड में/होम किए दे रही थी जो/खुद को/रखने को झूठा मान/घर परिवार का।’ ‘सुनो नादिया’ जैसी कविता को शामिल करने से इस संग्रह की कविताओं का कैमवास और भी विस्तारित सूरज को/सीखती हैं, डूबना नहीं है डूबना/यह प्रक्रिया भर है/दोबारा से उगने की।’ जैसी पंक्तियां यह साबित करती हैं कि स्वतंत्रचेता स्त्री प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हार मानने के बजाय नई उड़ान भरने को तत्पर रहती है। ‘बिंदी और सिंदूर’ कविता एक ऐसा बिंब उकेरती है, जो पारंपरिक प्रतीकों को भी नए संदर्भ में परिभाषित करती है। यहां स्पष्ट होता है कि आज स्त्री अपने अस्तित्व को स्वीकारने में जरा भी नहीं हिचकिचाती है। स्त्री की सोच में आए क्रांतिकारी

पुस्तक: छत पर लड़कियां (कविता संग्रह), लेखिका: आरती आस्था, मूल्य: 299 रुपये, प्रकाशक: न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली



अच्छे विचारों की हैं, जो व्यक्ति को भीतर से बदल दें, उसकी दृष्टि को व्यापक बना दें और उसे अधिक संवेदनशील, अधिक स्वतंत्र तथा अधिक जिम्मेदार बना दें। दूसरों की बातें सुनिए, उनके अनुभवों से सीखिए, महान् ग्रंथ पढ़िए, श्रेष्ठ विचारकों का अध्ययन कीजिए, लेकिन किसी की बात को अंतिम सत्य मानकर अपनी सोच बंद मत कीजिए। याद रखिए, जीवन का सबसे बड़ा गाड़ अंततः हमारा विवेक और अपना अनुभव ही होता है। कहेन का मतलब है कि जीवन के हर महत्वपूर्ण प्रश्न का उत्तर बाहर यानी दूसरों की सलाह में नहीं, हमारे ही भीतर छिपा होता है। उसे खोजने का श्रम हमें स्वयं करना पड़ता है। वही श्रम हमें परिपक्व बनाता है, वही आत्मविश्वास देता है और वही वह शक्ति है जिससे प्रदान करते हैं जिसे कोई तैयार उपदेश कभी नहीं दे सकता। *